MT

Seat No. | | | | | | | |

2018 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - II - PAPER - VI

Time : 2 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 50**

विभाग 1 : गद्य

उ.1. **(क) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचनानुसार निम्नलिखित कृतियाँ पूर्ण कीजिए ।** **(6)**

1) आकलन कृति

समझकर लिखिए।

i) **राजेंद्र बाबू को इन गुणों का साथ मिला था** → प्रतिभा और बुद्धि ½

ii) **राजेंद्र बाबू की सामान्यता को इन्होंने गरिमा प्रदान की थी** → प्रतिभा, बुद्धि और गंभीर संवेदना ½

iii) **व्यापकता यह है** → सामान्यता की शपथ है। / संवेदना की गहराई में स्थिति बनाए रखना। 1

2) शब्द संपदा

i) **वचन बदलिए।** 1

(1) आकृति - आकृतियाँ (2) अनुभूति - अनुभूतियाँ

ii) **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।** 1

(1) समान × असमान (2) सामान्य × असामान्य

3) स्वमत अभिव्यक्ति 2

सादा जीवन यानी सादगी से भरा जीवन। सादे जीवन में सौंदर्य होता है। ऐसा जीवन तन को ही नहीं मन को भी सुंदर बना देता है। सुंदर शरीर और शांत मन ही उच्च विचार को प्रेरित करता है। यदि व्यक्ति को अपने जीवन में सफल होना है, तो उसे 'सादा जीवन उच्च विचार' इस सिद्धांत का पालन करना चाहिए।

जीवन का सच्चा लाभ आराम का जीवन बिताने में नहीं, बल्कि महान बनने में है। सफल महापुरुषों के जीवन में प्रकाश डालने से हमें पता चलता है कि उन्होंने 'सादा जीवन व उच्च विचार' को अपने जीवन में उतारा है। जीवन में सादगी लाना बहुत ही बड़ा महान गुण है। इसे स्वीकार करने से व्यक्ति तुच्छ विचारों को अपने हृदय से दूर कर देता है। सादगी से भरा जीवन व्यतीत करने वाले व्यक्ति के पास गहरी संवेदना होती हैं जो व्यक्तित्व को गरिमा प्रदान करती है। इसलिए व्यक्ति को 'सादा जीवन व उच्च विचार' इस सिद्धांत को अपने जीवन में उतारना चाहिए।

उ.1. (ख) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचनानुसार निम्नलिखित कृतियाँ पूर्ण कीजिए । (6)

1) आकलन कृति

रिश्ते लिखिए। 2

i) पत्नी-पति ii) सास व बहू

iii) पोते व दादा जी iv) ससुर व बहू

2) शब्द संपदा

i) **निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए। 1**

(1) पैतृक - **पुश्तैनी** (2) कस्बा - **छोटा शहर या नगर**

ii) **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। 1**

(1) कम × **ज्यादा** (2) प्यार × **नफरत**

3) स्वमत अभिव्यक्ति 2

एक परिवार में जब सभी परिवार के सदस्य दूसरी पीढ़ी के सदस्यों के साथ मिल-जुलकर रहते हैं तब हम उसे संयुक्त परिवार कहते हैं। संयुक्त परिवार समस्याओं में हमारा सहायक बनता है। विपत्ति के समय सभी एक-दूसरे की सहायता करने के लिए आगे आते हैं। इस प्रकार संयुक्त परिवार में भावनात्मक सहयोग होता है। जब परिवार एक साथ रहता है तब त्योहार मनाने की खुशी कुछ अलग ही होती है। संयुक्त परिवार में आपसी समायोजन होता है। संयुक्त परिवार में प्रत्येक व्यक्ति अपने विचार साझा करता है और एक सही निर्णय लिया जाता है जिससे सबका भला हो। संयुक्त परिवार में बुजुर्ग का मार्गदर्शन बहुत ही महत्त्वपूर्ण होता है। संयुक्त परिवार में रहने से बच्चे अधिक आज्ञाकारी एवं संस्कारी होते हैं। संयुक्त परिवार में रहने से कुल-व्यय बहुत ही कम होता है।

विभाग 2 : पद्य

उ.2. (च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : (5)

1) आकलन कृति

i) **निम्नलिखित शब्द पढ़कर ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों - 1**

(1) संत कबीर को किसकी महिमा सब जगह दिखाई देती है ?

(2) हिरण की नाभि में क्या होती है ?

ii) **समझकर लिखिए ।** **1**

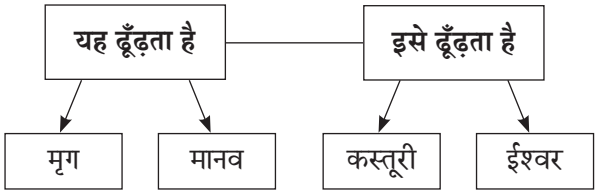

2) शब्द संपदा

निम्नलिखित शब्द के अनेकार्थी शब्द लिखिए। **1**

i) मृग - **हिरण, एक नक्षत्र का नाम**

ii) कुंडल - **नाभि, कड़ा, बाली**

3) स्वमत अभिव्यक्ति **2**

ईश्वर ने ही इस सुंदर सृष्टि का निर्माण किया है। उसकी मर्जी के बिना एक पत्ता भी नहीं हिल सकता है। संपूर्ण सृष्टि में ईश्वर का अस्तित्व है। वह हमारे हृदय में विराजमान है। लेकिन हमें इस बात का एहसास नहीं होता। अत: हम उसे ढूँढ़ने के लिए चारों और भटकते रहते हैं। अलग-अलग तीर्थस्थलों पर जाकर उसे पाने का प्रयास करते हैं। कोई उसे मंदिर मैं ढूँढ़ता है तो कोई उसे मस्जिद में ढूँढ़ता है। परंतु वह तो हर जगह है। उसे पाने के लिए हमें यहाँ-वहाँ भटकने की जरूरत नहीं है। ईश्वर को पाने के लिए मनुष्य को बाह्य-आडंबरों का त्याग करना चाहिए। कर्मकांड व बाहरी आडंबर के जरिए हमें उसकी प्राप्ति नहीं होती है। सच्चे भाव से ईश्वर को याद करने पर वह हमारे साथ होते हैं। इसके लिए हमें यहाँ-वहाँ जाने की जरूरत नहीं है।

उ.2. (छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(5)**

1) आकलन कृति

i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

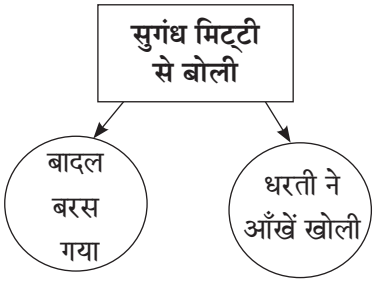

ii) **समझकर लिखिए।** **1**

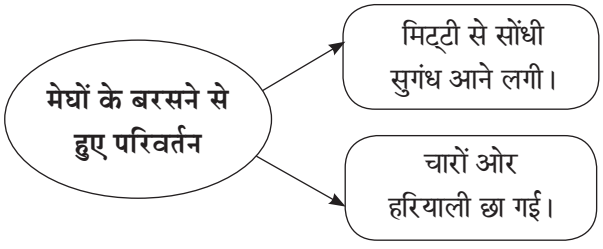

2) शब्द संपदा

विलोम शब्द लिखिए। **1**

i) सुगंध × **दुर्गंध** ii) पूरा × **अधूरा**

3) स्वमत अभिव्यक्ति **2**

बारिश के पहले भीषण गरमी के कारण मिट्टी तपती है। जैसे ही वर्षा की पहली बूँदें धरती पर आती हैं, वैसे ही तपती हुई मिट्टी शीतलता का अनुभव करने लगती है। फिर उसमें से जो गंध उठती है, उसका क्या कहना ? मिट्टी की सोंधी सुगंध सभी को आकर्षित करती है। मैं पिछले वर्ष बरसात शुरू होने से पहले अपने गाँव गया था। वहाँ पर मैंने पहली बरसात का अनुभव किया था। बारिश रुकते ही अचानक से सारा वातावरण मिट्टी की भीनी-भीनी सोंधी खुशबू से प्रफुल्लित हो उठा। मानो वह सोंधी महक मुझे बता रही थी कि हम सब उससे जुड़े हैं। हमारा शरीर भी उसी से बना है। आखिर मिट्टी हमें जीवन देती है। सचमुच मिट्टी की उस सोंधी महक ने मेरे चित्त को प्रसन्न कर दिया था। आज भी वह महक मेरे रोम-रोम में समाई हुई है। उस सोंधी महक को महसूस हुए मुझे मनुष्य और मिट्टी के बीच जो गहरा रिश्ता है इसका एहसास भी हुआ था।

विभाग 3 : व्याकरण

उ.3. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(10)**

1) निम्नलिखित शब्दों में से मानक वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द छाँटकर लिखिए । **1**

i) बुद्धि ii) परीक्षार्थी

2) निम्नलिखित अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए । **1**

अरेरे ! - **अरेरे !** यह क्या हो गया ?

3) i) **काल परिवर्तन कीजिए ।** **1**

पानी अब निर्मल नहीं रहेगा।

ii) **काल पहचानिए ।** **1**

पूर्ण भूतकाल

4) i) **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**

खाली हाथ लौटना - निराश होकर वापस आना।

वाक्य : लंदन गोलमेज परिषद किसी भी नतीजे पर नहीं पहुँच सका इसलिए गांधीजी को **खाली हाथ लौटना पड़ा।**

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**

विद्यार्थीयो ने कक्षा में **आसमान सर पर उठा लिया है।**

5) i) **निम्नलिखित संधि विच्छेद की संधि कीजिए और भेद लिखिए।** **1**

संधि विच्छेद	संधि शब्द	संधि भेद
महा + आत्मा	महात्मा	स्वर संधि

ii) **निम्नलिखित शब्दों का विच्छेद कीजिए और भेद संधि लिखिए।** **1**

शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
नमस्ते	नम: + ते	विसर्ग संधि

6) i) **निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के अनुसार भेद लिखिए।** **1**
अरे ! हवा रानी, नाराज मत हो। - **आज्ञार्थक वाक्य ।**

ii) **सूचना के अनुसार वाक्य का प्रकार बदलिए ।** **1**
जो लड़के अच्छे होते हैं, वे परिश्रमी होते हैं।

विभाग 4 : रचना **(18)**

उ.4. **अ)**

1) **निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए ।** **4**

दिनांक : १५ जनवरी २०१७

प्रति,

सेवा में,

श्री थानाध्यक्षजी,

मालेगाँव।

विषय : अराजक तत्वों से सुरक्षा हेतु प्रार्थना पत्र।

माननीय महोदय,

शहर में कानून और व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी आप पर है। हमें पूरा विश्वास है कि यह जिम्मेदारी निभाने में आपका पुलिस विभाग भरसक प्रयत्न करता ही होगा। फिर भी, पिछले कुछ दिनों से अराजक तत्वों की हरकतें बढ़ रही हैं। इस ओर आपका ध्यान खींचना मैं अपना नागरिक कर्तव्य समझती हूँ।

कुछ दिनों से औरतों के गले से चैन आदि खींचने और इन्हें अपमानित करने की वारदातों में वृद्धि हुई है। यह विशेष चिंता की बात है। औरतों की मदद करने के लिए आगे आनेवाले शरीफ आदमियों को गुंडों ने बेरहमी से पीटा है। यह तो और भी शर्मनाक बात है।

किसी-न-किसी बात को लेकर दो दलों में टकराव हो जाती है। फिर दुकानों की लुटपाट शुरू हो जाती है, जिसके बारे में स्वयं आप मुझसे अधिक जानते हैं।

आपसे विनम्र निवेदन है कि नागरिकों के कष्ट की ओर ध्यान देते हुए पुलिस-चौकियाँ बढ़ाई जाएँ और सिपाहियों को मुस्तैद रहने का हुक्म दिया जाए। इस दिशा में आप और भी आवश्यक कदम उठाने की कृपा करें। शीघ्र राहत मिलेगी तो जनता आपकी कृतज्ञ रहेगी।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ ।

धन्यवाद !

भवदीया,

हसीना सिद्दीकी

सिद्दीकी मंजिल,

मालेगाँव - ४२३ २०३।

ई-मेल आइडी - haseenas942@gmail.com

अथवा

दिनांक - मई २५, २०१८

प्रिय अथर्व

स्नेह!

आशा है आप स्वस्थ होंगे। मैं भी यहाँ कुशल हूँ। मित्र! इस बार मेरा जन्म-दिन धूमधाम से मनाने की तैयारियाँ है। अत: तुम २० जून की तिथि मेरे लिए सुरक्षित कर लो। यहाँ तुम १९ जून की रात तक पहुँच जाओ, ताकि सभी कार्यक्रमों में शामिल हो सको। कार्यक्रम इस प्रकार है -

प्रात: ७ बजे हवन-यज्ञ होगा। हवन के बाद सत्संग प्रवचन होंगे। इसके बाद मित्र-मंडली रंगारंग कार्यक्रम पेश करेगी। इसके बाद प्रीतिभोज होगा।

माताजी व पिताजी को चरण-स्पर्श। १९ जून को आना न भूलना।

तुम्हारा मित्र,

तुषार

नाम : तुषार कुमार

पता : ६३७-ए, सेक्टर-१२, इस्पात नगर, बोकारो।

ई-मेल आईडी : tushar123@gmail.com

2) निम्नलिखित कहावत के आधार पर कहानी लेखन कीजिए। (लगभग ८० से १०० शब्द) **4**

जैसी करनी वैसी भरनी

गणेशपुर नामक गाँव में एक किसान के घर एक पालतू हाथी रहता था। वह बड़ा चालाक था। वह नियमित रूप से प्रतिदिन सबेरे के समय तालाब पर पानी पीने जाता था। उस रास्ते में एक दर्जी की दुकान पड़ती थी। वह रोज उसे खाने के लिए फल देता था। हाथी इस उपकार का बदला चुकाने के लिए तालाब से लौटते समय दर्जी को एक कमल का फूल देता था। इस प्रकार दोनों में गहरी दोस्ती हो गई।

एक दिन दर्जी ने मन में सोचा - क्यों न आज हाथी के साथ मजाक करूँ। जब हाथी प्रतिदिन के नियमानुसार फल लेने आया, तो दर्जी ने फल के बदले हाथी की सूँड में सुई चुभा दी। हाथी खून का घूँट पीकर तालाब पर चला गया। वह रास्ते में मन-ही-मन बदला लेने की युक्ति सोचने लगा।

तालाब से लौटते समय वह अपनी सूँड में कीचड़ भर लाया और दर्जी की दुकान में डाल दिया। दुकान में रखे सारे नए कपड़े खराब हो गए। दर्जी अपनी करतूत से हुई हानि देखकर पछताने लगा।

सीख: इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि जैसा बीज बोओगे, वैसा फल पाओगे।

अथवा

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर उस पर चार प्रश्न तैयार कीजिए कि जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हो ।

(i) कोढ़ियों की सेवा कौन करती थी?

(ii) परदुखकातर व निर्मल हृदय वाले लोगों के नाम बताइए।

(iii) गद्यांश में कौन-सी संस्था का उल्लेख हुआ है?

(iv) लेखक के शब्दकोश में कौन-से शब्द नहीं है?

उ.4. **आ) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए । (लगभग ५० से ६० शब्द)** **4**

आमंत्रण

प्रगति विद्यालय

❖ वार्षिक खेल दिवस ❖

आमंत्रण

समस्त भूतपूर्व विद्यार्थी सहर्ष आमंत्रित हैं।

दिनांक : ०३.०३.२०१८

समय : ३ बजे अपराह्न

स्थान : विकास मैदान, मुंबई

कृपया पधारकर वर्तमान विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करें।

आग्रहकर्ता

प्रभारी (आयोजन)

दूरभाष : ९१०००००००

उ.4. **इ) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए । (लगभग ७० से ८० शब्द)** **6**

1) **पुस्तक मेल में दो घंटे**

पुस्तकों का हमारे जीवन में महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। वे एक मित्र के समान हमारी सहायक एवं मार्गदर्शक होती हैं। वे अपना ज्ञानरूपी अमृत कोष सदा हम पर न्योछावर करती रहती हैं। अत: पुस्तकों का वाचन सभी को करना चाहिए।

पुस्तकों का भी अपना एक मेला होता है। पुस्तक मेले में तरह-तरह की पुस्तकें होती हैं। वहाँ पर लेखक एवं कवि आते हैं और स्वयं अपनी पुस्तकों के बारे में पाठकों को परिचित कराते हैं। मैं भी सरस्वती भवन द्वारा आयोजित पुस्तक मेले में गया था। मेरे साथ मेरे मित्र भी थे।

जैसे ही हमने पुस्तक मेले में प्रवेश किया वैसे ही पुस्तक मेले के प्रवेशद्वार पर एक व्यक्ति पुस्तक का मुखौटा पहनकर पुस्तकों के महत्त्व से हमें परिचित कराने लगा हमें बहुत ही अच्छा लगा। जैसे ही हम भीतर गए वैसे ही हमने चारों ओर नजर डाली। तब हमने देखा कि चारों ओर पुस्तक खरीदने के लिए लोगों की भीड़ एकत्रित हुई है। कई दुकानों पर लोगों का ताँता लगा हुआ था। भारतीय भाषाओं के सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ एवं महापुरूषों की जीवनी सर्वत्र विक्री हेतु उपलब्ध थी। अंग्रेजी किताबें भी थीं। हिंदी साहित्य की पुस्तकों के बारे में क्या कहना ? प्रत्येक दुकान में पंत जी, निराला जी, बच्चन जी, गुप्त जी, सुभद्रा जी, महादेवी जी, अज्ञेय जी, मन्नू भंडारी जी, भारती जी आदि पुस्तक रूप में विराजमान थे। इन श्रेष्ठ साहित्यकारों के अनुपम ग्रंथ देखकर मैं आनंदविभोर हो गया। इतने में मेरे एक मित्र ने तपाक से कहा, ''अरे देखो, हिंदी साहित्य के श्रेष्ठ वर्तमान साहित्यकार श्री. राम जी तिवारी बच्चों के साथ वार्तालाप कर रहे हैं।'' हम तुरंत उस स्थान पर पहुँच गए जहाँ पर श्री तिवारी जी बच्चों से तन्मयता और सहृदयता से बात कर रहे थे। उनके विचार सुनकर हम सब गद्‌गद हो गए। उन्होंने 'किताबें करती हैं बातें...' इस कविता को हमारे सामने अभिव्यक्त करके पुस्तकों के वाचन हेतु जो संस्कार किया, उसका वर्णन करना मेरे लिए कठिन है।

पुस्तक मेले में घूमते-घूमते हमें कई ऐसी किताबों के बारे में पता चला, जिनके नाम भी हमने पहले कभी सुने नहीं थे। पुस्तक मेले में भ्रमण करते समय दो घंटे कब खत्म हुए, इसका पता भी नहीं चला। मनचाही पुस्तकें खरीद कर एवं प्राप्त ज्ञान को मस्तिष्क में संग्रहित कर हम खुशी-खुशी घर की ओर लौट पड़े।

2) **विज्ञान के चमत्कार**

विज्ञान वह व्यवस्थित ज्ञान है; जो विचार, अवलोकन, अध्ययन और प्रयोग से मिलता है। विज्ञान यानी किसी भी विषय का क्रमबद्ध ज्ञान। आज का हमारा युग विज्ञान का युग है। आज चारों ओर विज्ञान का बोलबाला है। छोटी सुई से लेकर हवाई जहाज तक सारी चीजें विज्ञान की ही देन हैं। विज्ञान के कारण मनुष्य का जीवन सुखकर एवं खुशहाल हो गया है।

विज्ञान के चमत्कारों की यदि बात करें तो चारों और व्याप्त सारी चीजें विज्ञान की ही देन हैं। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में जैसे कि विद्या, उद्योग, अनुसंधान, तकनीकी, संदेश वहन, यातायात, कंप्यूटर, चिकित्सा आदि में विज्ञान ही विज्ञान दिखाई देता है। आखिर, सच ही कहा गया है 'जय विज्ञान।'

विद्युत विज्ञान का ही अद्भुत वरदान है। इसने इंसान के जीवन से अंधकार मिटा दिया है। अंतरिक्ष विज्ञान में हुई प्रगति के कारण मनुष्य चाँद पर जा पहुंचा है। अब वह मंगल पर जाने की तैयारी कर रहा है। चिकित्सा के क्षेत्र में विज्ञान ने सफलता हासिल कर ली है। अब असाध्य से असाध्य रोगों का भी निदान आसान हो गया है। हृदय प्रत्यारोपण एवं नेत्र प्रत्यारोपण आसानी से होने लगे हैं। कैंसर जैसी भयानक बीमारी का इलाज आसान हो गया है। आज विज्ञान ने अंधे को आँखें दी हैं, बहरे को कान दिए हैं, गूँगे को वाणी दी है, दिव्यांग को शारीरिक अवयव दिए हैं। विज्ञान के कारण नाभिकीय ऊर्जा का उत्पादन बढ़ने लगा है। इस ऊर्जा का सकारात्मक कामों के लिए उपयोग हो रहा है। विज्ञान के कारण यातायात के साधन सुलभ हो गए हैं। आज हम कुछ घंटों में अमरीका जा सकते हैं। संदेश वहन के साधनों में भी प्रगति हो गई है। मोबाइल, फेसबुक, गूगल आदि ने संपूर्ण दुनिया को एक-दूसरे के करीब लाकर रख दिया है। आज हमारा देश विज्ञान के कारण कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो गया है। विज्ञान का और एक बड़ा चमत्कार है 'मुद्रण यंत्रों का आविष्कार।' मुद्रण यंत्रों के आविष्कार ने पुस्तकों का निर्माण किया है। इस कारण ज्ञान का चारों ओर प्रचार व प्रसार हुआ है। हमारे दैनंदिन जीवन में भोजन पकाने से लेकर अन्य सारी सुख-सुविधाओं का निर्माण विज्ञान के कारण ही सुलभ हुआ है। इसलिए आज विज्ञान कामधेनु गाय की तरह मनुष्य की सारी इच्छाएँ पूर्ण कर रहा है। सच ही कहा गया है -

आज की दुनिया विचित्र नवीन
प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन।
हैं बँधे नर के करों में वारि-विद्युत-भाप
हुक्म पर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप।
है नहीं बाकी कहीं व्यवधान
लाँघ सकता नर सरित-गिरि-सिंधु एक समान।

❖❖❖❖